चुदाई में शह और मात- 1

“कोई हॉट सेक्सी भाभी सेक्स के लिए क्या कुछ कर गुजरती है, इस कहानी में जाने. गोरा चिट्टा, लंबा कद, कसा हुआ कसरती बदन वाला लड़का एक भाभी को भा गया. ...”

Story By: सनी वर्मा (sunnyverma)
Posted: Saturday, December 18th, 2021
Categories: Hindi Sex Story
Online version: चुदाई में शह और मात- 1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुदाई में शह और मात- 1

कोई हॉट सेक्सी भाभी सेक्स के लिए क्या कुछ कर गुजरती है, इस कहानी में जाने. गोरा चिट्टा, लंबा कद, कसा हुआ कसरती बदन वाला लड़का एक भाभी को भा गया.

मेरी पिछली कहानी :
पुराने शौक नए साथी

दोस्तो, आज की कहानी बिलकुल ताज़ातरीन घटना है। इतनी सच्ची मानों सामने कोई फिल्म चल रही हो।
कहानी अशफाक़ उर्फ आशु की है।

आशु वैसे तो छोटे शहर से था, पर अपने कॉलेज में फुटबाल टीम का केप्टन था।
बाद में उसने एक जिम भी जॉइन किया और धीरे धीरे उस ज़िले के नामी जिम में वो ट्रेनर बन गया।

गोरा चिट्टा, लंबा कद, कसा हुआ कसरती बदन, घुँघराले काले बाल और पठानों वाली तहजीब।

कुल मिला कर आशु एक पढ़ा लिखा बांका गबरू था, जिसकी रगों में तहजीब और नफासत थी।

लेकिन घरेलू कलह से आजिज़ आकर वह नॉयडा आ गया.
उसने नोएडा आकर यहाँ सभी तरह के काम करने के लिए अपने को तैयार किया।

सुबह पाँच बजे उठकर वो पास वाली सोसाइटी में जाता और गार्ड रूम में रखी 10-12

बाल्टियों में पास की डेयरी से अपने सामने कढ़वा कर दूध लाता और फिर उन्हें फ्लैट्स में पहुंचाता।

अक्सर कुछ फ्लैट वालियाँ उससे नाश्ते का कुछ न कुछ सामान मँगवाती तो वो उनको लाकर देता।
फिर उन्हीं फ्लैट्स के मालिकों की गाड़ियाँ धोकर 9 बजे तक तैयार कर देता।

उसके बाद कहीं उसे फुर्सत मिलती अपनी चाय पीने की।

वो काम इतना मन लगाकर और तसल्लीबक्श करता कि उससे सभी मेमसाब बहुत खुश रहतीं।

आशु ने अपने शहर में पढ़ाई के दौरान ही दोस्त से ड्राइविंग भी सीख ली थी।
एक दो महीने टॅक्सी भी चलायी तो उसे गाड़ी चलाने की प्रैक्टिस तो हो गयी थी।

अब उसे नोएडा रहते दो साल होने को आए तो वो यहाँ के लोगों के तौर तरीकों और मेमसाब लोगों को इम्प्रेस करने के तरीकों से अच्छा वाकिफ हो गया था।

पर जिंदगी उसे जिस ओर मोड़ रही थी, ऐसा उसने सोचा भी नहीं था।
उसे भी अब हवा लग गयी थी। उसके पास बढ़िया स्मार्ट फोन था जिस पर वो सभी मेम साब लोगों से व्हाट्सएप्प पर संपर्क में रहता।

मेमसाब लोग भी उससे अपने सभी काम करवातीं और उसे कपड़ों, खाने और पैसों से नवाजती रहतीं।

चूंकि आशु के सलीके और पहनावे को देखकर कोई नहीं कह सकता था कि वो मात्र एक सफाई करने वाला लड़का है, तो मेमसाब लोग उसे अपने साथ गाड़ी चलाने से लेकर

शॉपिंग में समान उठाने तक ले जातीं।

दिल्ली में तो वैसे भी काम निकालने के लिए सिर पर चढ़ा कर रखते हैं, तो लेडीज आशु को अपने साथ ही रेस्तराँ में खिला पिला भी देतीं।
सभी लेडीज आशु के साथ बहुत कम्फर्ट फील करती थीं।

सुबह जब आशु उनके फ्लैट में दूध देने जाता तो उस समय लेडीज ऐसे कपड़ों में दरवाजा खोलती कि आशु भी निगाहें नीची कर के बाल्टी पकड़ा देता।
पर हाँ … आशु और उनकी मुसकुराती हुई गुडमॉर्निंग जरूर होती।

उन लेडीज के क्लीवेज की गहराई और उसमें से झाँकते मम्मे, निप्पलों की नोकें और मटकती गांड, इन सबका अंदाज़ उनके लेडीज टेलर के अलावा सिर्फ आशु को था।

आशु रात को सोते समय मूठ मारते समय उन्हीं सबको याद करता।

अब आशु उनके मज़ाक़ों में भी शामिल हो जाता।

लेडीज को एक दूसरे की बुराई करने और राज़ जानने का बहुत शौक होता है।
तो आशु मियां इसका पूरा फायदा उठाते।

वो एक दूसरे की बातें बड़ी नमक मिर्च लगा कर गपियाते. पर आशु ने किसी के राज़ कभी किसी से शयर नहीं किए।
इसीलिए सभी लेडीज का उस पर बहुत विश्वास हो गया था।

आजकल हाईसोसाइटी कि लेडीज के अपने किस्से होते ही हैं।
तो आशु सबका राज़दार होता।

कौन मेमसाहब का अफेयर किस्से है, कौन मेमसाब छिपकर स्मोक या ड्रिंक करती है,

किसकी अपने पति से कब और क्यों लड़ाई हुई, किसके पति का कहाँ चक्कर चल रहा है, किस मेमसाब का किससे नैनमटक्का होता है, यह सब जानकारी आशु को सबसे ज्यादा होतीं।

एक दिन उसे 109 नंबर वाली रेखा मेमसाब का मेसेज आया कि क्या वो कल दिन के लिए खाली है, उन्हें अपने फ्लैट की सफाई करवानी थी, वो सुबह उससे मिल ले।

रेखा लगभग 35 साल की बहुत हंसमुख और अच्छे स्वभाव की फेशनबेल महिला थी।
उनका एक ही बेटी थी जो बाहर किसी बोर्डिंग स्कूल में पढ़ती थी।

रेखा के पति अविनाश उससे बिलकुल उलट साँवले और साधारण व्यक्तित्व के व्यक्ति थे।
वो बड़े अधिकारी थे, अक्सर बाहर दौरों पर रहते।
जब वो यहाँ होते तो हर रात रेखा कि उनसे सेक्स को लेकर कहासुनी होती और फिर रेखा उनसे जबर्दस्ती सेक्स करवाती।

ये भी चर्चे थे कि अविनाश के दौरों पर उनके साथ उनकी एक कलीग जाती है जिसके साथ उनका चक्कर है।
हालांकि अविनाश रेखा के इस इल्ज़ाम को कोरी बकवास कहते।

अब रेखा का साफ फंडा था कि पति सिर्फ ढेर सारा पैसा कमा कर देता रहे और जब मौका हो उसकी बेड पर चुदाई सही से कर दे।
बाकी घर के बाहर वो कुछ भी करे।

अविनाश भी बजाए अपनी सफाई देने के रेखा की जेब पैसों से और उसकी चूत अपने माल से भर कर अपनी जान बचाते रहे।

रेखा को सिगरेट का शौक था, पर ये बात रेखा के अलावा सिर्फ उसकी बेटी या आशु

जानता था।
अपने को रेखा खूब मेंटेन रखती।

जब रेखा अविनाश से लड़ती तो दूर खड़ा आशु सोचता कि इतनी खूबसूरत बीबी से अविनाश साहब की पटती क्यों नहीं।

आशु को तो 115 नंबर वाली मोनिका मेम ने चटकारे लेकर रेखा और अविनाश के किस्से बताए, इस गरज से कि कुछ आशु भी उन्हें बताए, पर आशु घाघ था, वो सुम्म मार जाता, जैसे उसे कुछ मालूम ही नहीं।

मोनिका खुद बहुत सेक्सी थीं।

वो जब नीचे पार्क में अपनी सहेलियों के बीच बैठी होती तो बताती कि रेखा और अविनाश का झगड़ा चुदाई को लेकर ही होता है।
रेखा चाहती है कि जब भी अविनाश यहाँ हों उसकी जम कर चुदाई करें, और अविनाश बस एक बार में ही थक कर सो जाते।

मोनिका और रेखा के बीच अश्लील किताबों और विडियोज़ का आदान प्रदान खूब होता था।

खैर जब अगली सुबह आशु 109 नंबर दूध की बाल्टी देने गया तो रेखा ने दरवाजा खोलते हुए कहा- आशु, सभी को दूध देकर मेरे पास होते जाना।

आशु पंद्रह मिनट बाद ही रेखा मेमसाहब के फ्लैट में पहुँच गया।

अविनाश बाहर जाने को तैयार खड़े थे, वो दो दिन के लिए अरुणाचल प्रदेश जा रहे थे।

आशु ने उनका सामान ले लिया और नीचे खड़ी टेक्सी में रख कर वापिस आया।

रेखा रोज की तरह लापरवाही से शॉर्ट्स और टी शर्ट पहने सिगरेट का धुआँ उड़ा रही थी, उसके शरीर की बनावट पूरी अंदर से झांक रही थी।

टेबल पर बैठे बैठे रेखा ने उसे चाय का कप दिया और बैठने को कहा।
वो बोली कि आज पूरे टाइम आशु उसके साथ रहे।

रेखा ने आशु को कुछ बोलने ही नहीं दिया और जबर्दस्ती दो हज़ार का नोट उसकी जेब में रख दिया।

अब आशु क्या कहता … उसने पूछा कि काम क्या है?
तो रेखा बोली कि घर साफ करवाना है, फिर शॉपिंग करनी है। अकेले उससे होगा नहीं।

रेखा ने उसको बोल दिया कि वह सुबह 9 बजे आ जाये और रात को देर भी हो सकती है, खाने की वो चिंता न करे।

आशु को ये मेमसाब अच्छी भी बहुत लगती थीं क्योंकि सोसाइटी में सबसे ज्यादा अच्छे से उससे वो ही बात करती थीं।

चाय पीकर आशु फटाफट चला गया और सारी गाड़ियाँ साफ कर के नहाकर रेखा के फ्लैट पर आ गया।

रेखा वैसे ही कपड़े पहने थी।
उसने आशु को सेंडविच और चाय दी।

नाश्ता करके आशु लग गया सफाई में। रेखा भी उसकी मदद करने लगी।

आशु ने कहा कि धूल धक्कड़ से आप दूर रहो।
पर रेखा नहीं मानी।

आशु साफ सुथरा ट्रेक सूट पहने था तो रेखा ने उससे कहा- ये कपड़े तो तुम्हारे गंदे हो जाएँगे, रुको मैं साहब के कोई कपड़े देती हूँ।

अब कहाँ अविनाश भारी शरीर के कहाँ आशु लंबा पतला समार्ट।

खैर रेखा ने उसे एक बरमुडा और टी शर्ट दी तो आशु ने जैसे तैसे पहन लिया।
अब आशु को डर था कि कहीं बरमूडा खिसक न जाये। वो तो नीचे अंडरवियर भी नहीं पहने था।

आशु का कसरती शरीर स्लीवलेस टी शर्ट से बाहर निकला पड़ रहा था।
रेखा उसे देख कर खूब हंसी।

आशु ने सीढ़ी पर खड़े होकर पंखे, टयूब लाइट, झूमर वगैरा साफ किए तो नीचे से रेखा ने उसकी सीधी को पकड़े रखा।

नीचे से रेखा को आशु का मोटा लंड बरमूडा में साफ दिख रहा था।
रेखा को मस्ती छाने लगी। उसके दिमाग में सेक्स का कीड़ा कुलबुलाने लगा।

नीचे कार्पेट उठाने में आशु ने रेखा की मदद चाही तो रेखा ने झुक कर कार्पेट उठाते समय अपने मम्मे आशु को दिखा दिये।

आशु ने मम्मे देख तो लिए पर वो रेखा मेमसाहब की नीयत से अंजान था तो मासूम बना रहा।
उसे लगा कि वो बहुत लापरवाह औरत है।

अब तो रेखा उससे बार बार टकराने का ड्रामा करती रही।

बेडरूम की सफाई में आशु को बेड के नीचे से कल रात का इस्तेमाल किया हुआ कंडोम

मिला जिसे उसने बड़ी होशियारी से रेखा से छिपा कर कूड़े में रख लिया।
पर फिर भी उसका रेपर तो रेखा ने ही बड़ी बेशर्मी से उठाया।

बेडरूम साफ करते समय रेखा तो टांगें फैला कर वहीं सोफ़े पर लेट गयी।
आशु का लंड उसकी चिकनी जांघों और झूलते मम्मों को देख कर अब खड़ा हो गया था,
जिस पर रेखा की निगाहें पड़ चुकी थीं।

बेड के नीचे की सफाई में आशु को एक मोटी मोमबत्ती मिली, जिसे रेखा ने हँसते हुए उससे ले लिया कि पता नहीं कब की पड़ी है।

हालांकि आशु भी समझ गया कि रेखा मेमसाब इससे अपनी चूत की गर्मी शांत करती हैं।

रेखा ने बियर की दो केन खोल लीं।
आशु के बहुत मना करने पर भी रेखा ने उसे जबर्दस्ती एक केन पिला ही दी।

दोपहर तक अधिकांश काम निबट गया।
अब फ्लैट्स में गंदगी आती भी कहाँ है। सब कुछ तो बंद रहता है।

आशु ने रेखा से एक घंटे की छुट्टी मांगी कि वो नहा कर खाना खा आएगा।
रेखा ने उससे कहा कि खाना उसने ऑर्डर कर दिया है और वो नहा उसी के बाथरूम में ले।

उसे रेखा ने तौलिया दे दिया।

आशु ने इतना खूबसूरत बाथरूम पहली बार इस्तेमाल किया।
वह फटाफट नहाया.
बाहर से रेखा कह रही थी- तुम जल्दी से नहा लो, फिर मैं नहाऊँगी।

आशु जल्दी से टॉवल लपेट के बाहर आया।

कपड़े तो उसने बाहर ही बदले थे।

उसके कसरती जिस्म और चौड़ी छाती को निहारती रेखा जल्दी से बाथरूम में घुस गयी।

आशु ने बाहर अपने कपड़े ढूँढे तो नहीं मिले। शायद सफाई में रेखा ने इधर उधर रख दिये होंगे।

उसने आवाज़ देकर पूछा भी कि मेमसाब मेरे कपड़े कहाँ रखे हैं तो अंदर से आवाज़ आई कि वहीं तो रखे थे तुमने, अभी आकर देखती हूँ।

थोड़ी देर में रेखा की अंदर से फिसलने की आवाज़ आई।

आशु ने एकदम पूछा- मेमसाब क्या हो गया ?
रेखा बोली- फिसल गयी हूँ … ज़रा मदद करो।
उसने दरवाजा खोल दिया।

आशु टॉवल लपेटे अंदर गया तो रेखा तौलिया लपेटे खड़ी थी।

तब आशु ने उसे सहारा देने की कोशिश की तो रेखा ने हँसते हुए शावर चला दिया।
तेज पानी से दोनों भीग गए.

रेखा ने अपना और आशु दोनों का टॉवल उतार फेंका।
अब दोनों निपट नंगे थे।

रेखा तो उसका लंबा और मोटा तना हुआ लंड देख सकते में थी।
अब रेखा और आशु दोनों की ही सोचने समझने की ताकत के ऊपर चूत की चुलबुलाहट और लंड की गर्मी हावी हो गयी थी।

रेखा ने आशु को अपने से चिपटा लिया उसके गीले बालों को पीछे से पकड़ कर उसके होंठों से अपने होंठ मिला दिये।

आशु नहीं समझ पाया कि वो क्या करे।
पर उसका लंड भी अब बेकाबू हो रहा था।

उसने अपने दोनों हाथों से रेखा के बालों को पीछे से पकड़ा और अपने होंठों पर रेखा के होंठों की पकड़ को मजबूती दे दी।

अब रेखा उसके होंठों को काटते हुए अपनी जीभ उसके मुंह में घुसा रही थी।

रेखा के मदमस्त मम्मे देख आशु तो मानों पगला गया।
उसने रेखा के मदमस्त मम्मों को नफासत से चूसना शुरू किया.

रेखा के हाथों में उसका लंड मचल रहा था, वह आशु को अपने अंदर लेने के लिए बेचैन हो रही थी।

आशु ने शावर जेल की शीशी लेकर रेखा के मम्मों और पीठ पर उड़ेल दी और कुछ अपनी छाती पर भी लगाया।

अब दोनों के बदन चिकने हो गए। दोनों लिपटते तो साथ ही बदन फिसलते।

रेखा के गोरे गोरे मम्मे अब आशु की छाती पर मसल कर फिसल रहे थे।
आशु ने हेंड शावर से रेखा के मम्मों, सिर, पीठ और आखिर में चूत को धोया।

ऐसे ही रेखा ने आशु को भी नहलाया।

अब आशु को रेखा ने नीचे फर्श पर बैठा दिया और बड़े संभालते हुए अपनी चिकनी चूत में

उसका फनफनाता हुआ लंड ले लिया।
ऊपर से दबाव देते हुए उसने पूरा लंड गहराई तक अंदर किया और लगी ऊपर नीचे होने!

आशु भी उसके मम्मे चूस रहा था।

क्या गजब का स्टेमिना था रेखा में!

कुछ देर में ही आशु ने रेखा को अपने ऊपर से हटा कर अपना लंड मालकिन की चूत से निकाल लिया और उसे गोदी में उठा लिया।

रेखा ने भी उसकी गर्दन में बांहें डाल अपनी दोनों टांगें उसकी कमर पर लपेट दीं।

अब रेखा के मम्मे उसकी छाती से भिड़े हुए थे और दोनों के होंठ एक दूसरे में समा जाने की लड़ाई लड़ रहे थे।

आशु का लंड नीचे से रेखा की चूत के अंदर जाने की गुहार लगा रहा था।

अब आशु ने ज्यादा वक़्त न लगाते हुए रेखा को बेडरूम में आहिस्ता से बेड पर लिटा दिया और नीचे खिसक कर रेखा की चिकनी मखमली चूत में जीभ घुसा दी।

हॉट सेक्सी भाभी कसमसा गयी, उसने अपने हाथों से अपने मम्मे मसलने शुरू किए,
उसकी दोनों एड़ियाँ अकुलाहट में एक दूसरे पर घूम रही थीं।
उसकी सीत्कारें निकल रही थीं।
वो सोच रही थी कि क्यों उसने इससे पहले इस बाँके मर्द को नहीं बुलाया।
क्यों वो उस खूसट अविनाश की खुशामद करती रही।

इधर आशु का मन तो रेखा के मम्मों पर अटका हुआ था।
उसने हाथ आगे बढ़ाए और रेखा के मम्मे दबोच लिए।

अब वो थोड़ा बेरहम हो चला था।
उसने अपनी जीभ रेखा की चूत से निकाली और अपने होंठ वापिस लेटी हुई रेखा के होंठों से मिला कर धीरे धीरे रेखा के बदन पर तैरने-सा लगा।
उसने अपने आपको अपनी बांहों पर साध रखा था और उसका लंड रेखा की चूत के ऊपर नीचे बार बार तैर-सा रहा था।

उसकी जीभ कभी रेखा की जीभ से चुहल करती, कभी नीचे आते समय रेखा के निप्पलस को चूमते हुए नीचे ऊपर हो जाती।

रेखा अब अपने हाथों से उसका लंड पकड़ कर अपनी चूत में घुसाने को बेताब थी पर आशु का लंड मेंढक की तरह उसके हाथ से हर बार फिसल जाता और उसकी चूत में आग और भड़क जाती।

तो कैसी लग रही है यह हॉट सेक्सी भाभी सेक्स कहानी ?
मुझे लिखिएगा मेरी मेल आईडी enjoysunny6969@gmail.com पर।

हॉट सेक्सी भाभी सेक्स कहानी का अगला भाग : चुदाई में शह और मात- 2

Other stories you may be interested in

पहली बार बड़ी बहन ने मेरा लंड चूसा

ब्लोजॉब सेक्स का मजा मुझे पहली बार मेरे मामा की बेटी ने मुझे दिया. वो शादीशुदा थी. हम दोनों आपस में खुल चुके थे और चुदाई का मजा लेना चाहते थे. अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार ! मेरा नाम […]
Full Story >>>

कामुक भतीजी को चोद कर कली से फूल बनाया

सेक्सी हॉट बेब की चूत चुदाई का मौका मुझे मिला जब मेरी भतीजी को चोट लग गयी. मैंने उसकी मालिश की तो उसकी गांड देखकर मेरा लंड खड़ा हो गया. दोस्तो, मेरा नाम राकेश है, मैं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर […]
Full Story >>>

ननदोई ने सलहज की चुत चोदकर गर्भवती किया

साड़ी वाली भाभी की चुदाई कहानी एक ऐसी सलहज की है जो संतान सुख के लिए अपने ननदोई से चुद गयी. भाभी की साड़ी उठाकर चोदने का आनन्द इस कहानी में लें. दोस्तो, मैं आपका अपना दोस्त अरुण एक बार […]
Full Story >>>

सामने रहने वाली लड़की को पटाकर चोदा

देसी सेक्सी गर्ल चुदाई कहानी मेरे घर के सामने आयी एक लड़की से दोस्ती करके उसके साथ सेक्स की है. वो लड़की मस्त मौला किस्म की थी. मेरा नाम रोहन रॉय है. मैं कॉलेज के तीसरे वर्ष में हूँ. मैं […]
Full Story >>>

अकेली औरत की कामवासना का समाधान

ओल्ड आंटी सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक बार बड़ी उम्र की आंटी ने मुझे मालिश के लिए बुलाया. वे एकदम अकेली रहती थी तो मैं उनसे सम्पर्क में रहने लगा. मित्रो, मैं आपका अर्जुन फिर से आपके लिए एक […]
Full Story >>>